B- III
L- 35
Economy

अन्य बातों में

3. Vostro Account

किसी विदेशी बैंक का स्वदेशी बैंक में घरेलू मुद्रा में खाता।

सन्दर्भ :- आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23)

4. Nostro Account

किसी स्वदेशी बैंक का किसी विदेशी बैंक में विदेशी मुद्रा में खाता।

V. कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

1. Top Export Commodity
   ↓
   पेट्रोलियम उत्पाद

(2) Top Import Commodity
   ↓
   POL
   Petroleum, Oil and Lubricant

(3) Top Export Destination

↓
USA

(iv) Top Import Source

↓
China

(v) Highest Trade Surplus

↓
with USA

(vi) Highest Trade Deficit

↓
with china

(vii) Largest Food Import

↓
Edible oil
खाद्य तेल

(viii) Largest FDI

↓
from मॉरीशस (2000 से 2023 तक)

(ix) Largest FDI

in - Services

(2000 से 2023)

(*) Largest FDI
in → Maharashtra

Inflation (मुद्रास्फीति)

अर्थ :-
चयनित वस्तुओं विशेष रूप से आवश्यक वस्तुओं के कीमत स्तर (Price level) में बढ़ोतरी को मुद्रास्फीति कहते हैं।

मापन :-
मुद्रास्फीति को मापने के लिए कई प्रकार के कीमत सूचकांको का प्रयोग किया जाता है जैसे कि -

(i) थोक मूल्य सूचकांक - WPI

(ii) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक - CPI

(iii) उत्पादक मूल्य सूचकांक - PPI

कीमत सूचकांको का प्रयोग करने से मुद्रास्फीति की गणना करना आसान हो जाता है। सामान्यतः कीमतों को कीमत सूचकांको मे बदलने के लिए निम्न सूत्रो का प्रयोग किया जाता है।

$$\frac{P_1}{P_0} \times 100$$

यहाँ पर

P_1 = चालू कीमत

P_0 = आधार कीमत

$$\frac{2011-12}{100}$$

A – $\frac{₹ 5}{₹ 5} \times 100 = 100$

B – $\frac{₹ 0.50}{₹ 0.50} \times 100 = 100$

$\frac{₹ 6}{₹ 5} \times 100 = 120$

भारत में मुद्रास्फीति का मापन :-

भारत में मुद्रास्फीति को मापने के लिए कई प्रकार के कीमत सूचकांको का प्रयोग किया जाता है लेकिन सभी महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय निम्नलिखित दो मुख्य सूचकांको को ध्यान में रख कर लिए जाते है –

(i) WPI — 2011-12 = 100

Office of Economic Advisor
[Ministry of commerce and industry]

(ii) CPI — New Series, 2012 = 100

↓

National Statistical office

- CPI-Rural
- CPI Urban
- CPI-C → (combined (संयुक्त))

Point to Point Method :-

इसे Y.o.Y (Year on Year) भी कहते हैं वर्तमान में भारत में इसी विधि को ध्यान में रखते हुए मुद्रास्फीति की दर की गणना की जाती है

इस विधि के अनुसार — यदि Feb-2024 के लिए मुद्रास्फीति की दर की गणना करनी हो तो Feb-2024 के CPI/WPI के मूल्य की तुलना Feb-2023 के CPI/WPI के मूल्य के साथ की जाएगी और प्रतिशत परिवर्तन निकाला जाएगा यही प्रतिशत

परिवर्तन ही Feb-2024 की मुद्रास्फीति की दर होगी।
इसे निम्न प्रकार दिखाया जा सकता है -

2012 = 100 $\frac{₹20}{₹20} \times 100$

	2024		2023
Jan		Jan	
Feb	420	Feb	
March	440	March	400 (₹80)
⋮		⋮	

उपर्युक्त उदाहरण में Feb 2024 के लिए मुद्रास्फीति की दर, $\frac{40}{400} \times 100 = 10\%$ होगी।

आधार प्रभाव (Base effect)

कई बार मुद्रास्फीति की दर वस्तुस्थिति के विपरीत अत्यधिक कम या अधिक दिखाई देती है। इसका कारण एक गणितीय प्रभाव होता है जिसे आधार प्रभाव कहते हैं।
यह ध्यान देने योग्य है कि आधार प्रभाव मुख्य रूप से उन वस्तुओं के द्वारा उत्पन्न किया जाता है। जिनकी कीमतें fluctuate होती रहती हैं। इस सन्दर्भ में निम्नलिखित दो प्रकार की वस्तुएँ

दी जा सकती है-

(i) खाद्य वस्तुएँ - फल, सब्जी, दाले आदि।

(ii) ऊर्जा से भुड़ी चीजे - जैसे - कच्चा तेल